



# Photo Kumar

05 Jun 1999

05:00 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 120909722

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 05/06/1999  
दिन \_\_\_\_\_: शनिवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 17:00:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 29:58:56 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Gaya  
राज्य \_\_\_\_\_: Bihar  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 24:48:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 85:00:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: 00:10:00 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 17:10:00 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:01:39 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 10:03:49 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:00:25 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:36:31 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 13:36:05 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: ग्रीष्म  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 20:31:49 वृष  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 00:24:25 वृश्चिक

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: वृश्चिक - मंगल  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: कुम्भ - शनि  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: धनिष्ठा - 3  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: मंगल  
योग \_\_\_\_\_: वैधृति  
करण \_\_\_\_\_: वणिज  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: सिंह  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: शूद्र  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: मार्जार  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: वायु  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: गू-गूजरमल  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मिथुन

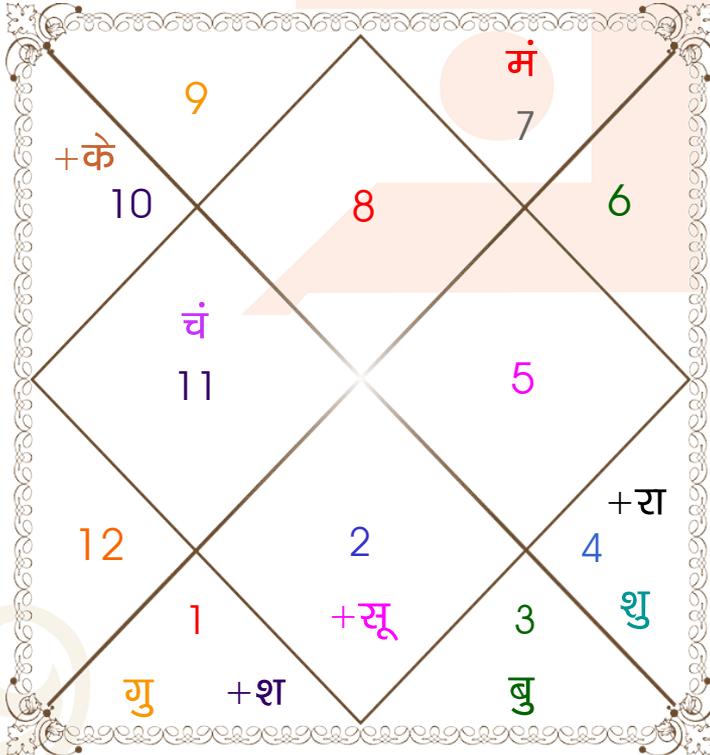
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:24:25	313:12:27	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			वृष	20:31:49	00:57:26	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	00:00:58	12:43:42	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			तुला	00:36:43	00:00:57	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			मिथु	03:07:50	02:00:00	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मेष	02:02:38	00:11:51	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	05:44:34	00:59:53	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि			मेष	17:43:18	00:06:52	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	नीच राशि
राहु			कर्क	20:51:12	00:00:36	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	20:51:12	00:00:36	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	22:51:46	00:00:42	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप	व		मक	10:17:45	00:00:54	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	15:08:14	00:01:37	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	04:57:54	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	मंगल	--

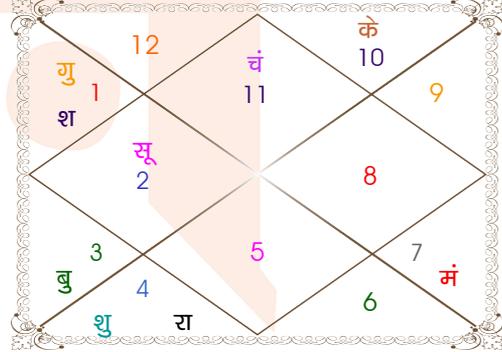
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:44

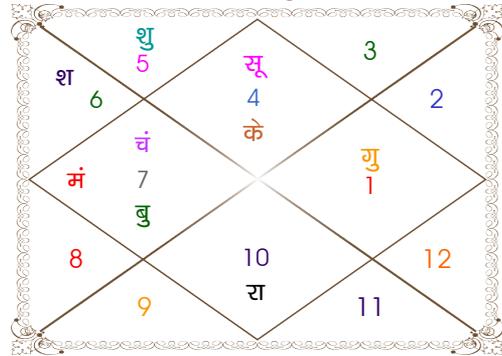
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 5 मास 27 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
05/06/1999	02/12/2002	01/12/2020	01/12/2036	02/12/2055
02/12/2002	01/12/2020	01/12/2036	02/12/2055	01/12/2072
00/00/0000	राहु 14/08/2005	गुरु 19/01/2023	शनि 05/12/2039	बुध 29/04/2058
00/00/0000	गुरु 07/01/2008	शनि 02/08/2025	बुध 14/08/2042	केतु 27/04/2059
00/00/0000	शनि 13/11/2010	बुध 07/11/2027	केतु 23/09/2043	शुक्र 24/02/2062
05/06/1999	बुध 02/06/2013	केतु 13/10/2028	शुक्र 22/11/2046	सूर्य 01/01/2063
बुध 29/05/2000	केतु 20/06/2014	शुक्र 14/06/2031	सूर्य 04/11/2047	चंद्र 01/06/2064
केतु 25/10/2000	शुक्र 20/06/2017	सूर्य 02/04/2032	चंद्र 05/06/2049	मंगल 30/05/2065
शुक्र 26/12/2001	सूर्य 15/05/2018	चंद्र 02/08/2033	मंगल 15/07/2050	राहु 17/12/2067
सूर्य 02/05/2002	चंद्र 14/11/2019	मंगल 08/07/2034	राहु 20/05/2053	गुरु 24/03/2070
चंद्र 02/12/2002	मंगल 01/12/2020	राहु 01/12/2036	गुरु 02/12/2055	शनि 01/12/2072

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
01/12/2072	02/12/2079	02/12/2099	02/12/2105	03/12/2115
02/12/2079	02/12/2099	02/12/2105	03/12/2115	00/00/0000
केतु 29/04/2073	शुक्र 02/04/2083	सूर्य 21/03/2100	चंद्र 03/10/2106	मंगल 30/04/2116
शुक्र 29/06/2074	सूर्य 02/04/2084	चंद्र 20/09/2100	मंगल 04/05/2107	राहु 18/05/2117
सूर्य 04/11/2074	चंद्र 01/12/2085	मंगल 26/01/2101	राहु 02/11/2108	गुरु 24/04/2118
चंद्र 05/06/2075	मंगल 31/01/2087	राहु 21/12/2101	गुरु 04/03/2110	शनि 03/06/2119
मंगल 01/11/2075	राहु 31/01/2090	गुरु 09/10/2102	शनि 03/10/2111	बुध 06/06/2119
राहु 19/11/2076	गुरु 01/10/2092	शनि 21/09/2103	बुध 03/03/2113	00/00/0000
गुरु 26/10/2077	शनि 02/12/2095	बुध 27/07/2104	केतु 02/10/2113	00/00/0000
शनि 05/12/2078	बुध 02/10/2098	केतु 02/12/2104	शुक्र 03/06/2115	00/00/0000
बुध 02/12/2079	केतु 02/12/2099	शुक्र 02/12/2105	सूर्य 03/12/2115	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 5 मा 19 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वाकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृत्ति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृत्ति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृत्ति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृत्ति जैसा व्यवहार करना चाहते हैं। आपकी इस प्रकार की प्रवृत्ति रही अर्थात् इस प्रवृत्ति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढाँचे के होते हैं। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृत्ति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।